भजन

तर्ज–तेरे मस्त मस्त दो नैन...

डूबी ही रहती थी मैं प्यार में तेरे
कैसे बताऊं अब क्या हाल हैं मेरे
तेरे इश्क बिन नहीं चौन,कैसे कटे ये दिन रैन

1–जामें इश्क में संग पिया के, अरस परस सुख पाती रही हूँ
इश्के नजर में डूबी थी जब मैं, ऐसे लगे के जैसे मैं ही नहीं हूँ
मदहोशीयों के सुख कैसे मैं पाऊँ,
आते हैँ याद अब वो जी नही पाऊँ

2–इश्के पिया में खुद को भिगो कर,लाड में तेरे मैंने सब कुछ पाया
लाड नया अब कैसा लडाया, सुध बिसराई मैंने इश्क गंवाया
हुकम की हिकमत ऐसी दिखायें,
बैठी वहीं हूँ पिया नजर न आयें

3–इलमें इश्क से लज्जत जो पाई, पीड़ है ऐसी सही जाए न जुदाई
वाणी ये तेरी मुझको रूलाये, कैसे कहूं ये कितना दर्द दे जाये
तड़प तड़प के पिया तुझी को पुकारूं,
आजा के आजा अब तो गले से लगा लूं